This question paper contains 7 printed pages]

Roll No. **2381-R**

II Year Arts (Regular) EXAMINATION, 2017

HINDI LITERATURE

Paper I

(काव्य)

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

खण्ड 'अ' [Marks : **20**]

सभी *प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***पचास*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'ब' [Marks : **50**]

प्रत्येक इकाई से ***एक*** *प्रश्न चुनते हुए, कुल* ***पाँच*** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***250*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

खण्ड 'स' [Marks : **30**]

कोई ***दो*** *प्रश्न कीजिए । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर* ***300*** *शब्दों से अधिक न हो ।* ***सभी*** *प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

खण्ड 'अ'

1. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं :

इकाई I

(*i*) केशवकृत 'रामचंद्रिका' का काव्यरूप क्या है तथा इसका कौनसा अंश आपके पाठ्यक्रम में है ?

(*ii*) 'मतिराम सतसई' के रचनाकार का नाम बताइए।

इकाई II

(*iii*) 'गंगा लहरी' में कवि पद्माकर का प्रतिपाद्य विषय क्या है ?

(*iv*) सेनापति के काव्य का प्रमुख वैशिष्ट्य क्या है ?

इकाई III

(*v*) रीतिकाल के किस कवि ने राष्ट्रीय भावनाओं से युक्त ओजपूर्ण काव्य की रचना की है ?

(*vi*) किस रीतिमुक्त कवि को 'प्रेम की पीर' का कवि कहा गया है ?

इकाई IV

(*vii*) 'भावविलास' व 'भवानीविलास' ग्रंथों के रचयिता का नाम बताइए।

(*viii*) 'बिहारी सतसई' किस छंद में लिखी गई रचना है ?

इकाई V

(*ix*) रीतिकाल का रचनाकाल कब से कब तक माना गया है ?

(*x*) रीतिकाव्य का प्रमुख प्रतिपाद्य रस कौनसा है ?

खण्ड 'ब'

इकाई I

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तेरी औरे भांति की दीपसिखा-सी देह।

ज्यों ज्यों दीपति जगमगै, त्यों-त्यों बढ़त सनेह॥

पगी प्रेम नंदलाल के, भरन आपु जल जाइ।

घरी घरी घर के तरैं, घरनि देत ढरकाइ॥

अथवा

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मन बावरे अजहूं समुझि संसार भ्रम दरियाउ।

इहि तरिनका यह छोड़ि कै कछु नाहिं और उपाउ॥

लै संग भक्ति मलाह करिआ रूप सौ लै लाउ।

श्रीराम सीता चरित चरचा सुभ्र गीता नाउ॥

इकाई II

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

बरन बरन तरु फूले उपवन वन, सोई चतुरंग संग दल लहियत हैं॥

बंदी जिमि बोलत बिरद बीर कोकिल है, गुंजत मधुप गान गुन गहियत हैं॥

आवै आस-पास पुहुपन की सुबास सोई, सोंधे के सुगंध माँझ सने रहियत हैं॥

सोभा को समाज, सेनापति सुख-साज, आज, आवत बसंत रितुराज कहियत हैं॥

अथवा

5. पद्माकर के काव्य-सौंदर्य पर टिप्पणी कीजिए।

इकाई III

6. "भाषा पर जैसा अधिकार घनानंद का था, वैसा किसी और कवि का नहीं रहा।" इस कथन के प्रकाश में घनानंद की काव्य-भाषा पर टिप्पणी कीजिए।

अथवा

7. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ऊँचे घोर मन्दर के अंदर रहनवारी, ऊँचे घोर मन्दर के अन्दर रहाती हैं।

कंद मूल भोग करैं, कंद मूल भोग करैं, तीनि बेर खातीं ते वै तीनि बेर खाती हैं॥

भूषन शिथिल अंग, भूषन शिथिल अंग, बिजन डुलातीं ते वैं बिजन डुलाती हैं॥

भूषन भनत सिवराज वीर तेरे त्रास, नगन जड़ातीं ते वै नगन जड़ाती हैं॥

इकाई IV

8. 'बिहारी सतसई' का काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

अथवा

9. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जब ते कुंवर कान्ह! रावरी कलानिधान, कान परी बाकै कहुँ सुजस कहानी-सी॥

तब ही तें 'देव' देखी देवता-सी हँसति-सी, खीजति-सी, रीझति-सी, रूसति, रिसानी-सी॥

छोही-सी, छली-सी, छोरि लीनि-सी-छकी-सी छीन, जकी सी टकी सी लागी थकी थहरानी-सी॥

बीधी सी, बंधी सी, विषबूड़ी सी, विमोहित सी, बैठी वह बकति बिलोकति बिकानी सी॥

इकाई V

10. माधुर्य गुण की उदाहरण सहित विशेषताएँ बताइए।

अथवा

11. शृंगार रस की सोदाहरण विशेषताएँ बताइए।

खण्ड 'स'

12. भूषण द्वारा कृत शिवाजी की वीरता का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

13. रीतिकाल की विशेषताएँ लिखिए।

14. रस के विभिन्न अवयवों के विषय में लिखिए।

15. केशवदास के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।